मार्च में 1.42 लाख करोड़ के सर्वकालिक स्तर पर जीएसटी वसूली

जीएसटी संग्रह नए शिखर पर पहुंचा

उपलब्धि

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। भारतीय अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी की मार से तेजी से उबर रही है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का भी अर्थव्यवस्था पर खास असर नहीं दिख रही है। इसका संकेत इस बात से मिलता है कि मार्च 2022 में देश का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.42 लाख करोड़ रुपये के अबतक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

वित्त मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई जानकारी के मुताबिक, मार्च 2022 में सकल जीएसटी संग्रह 1,42,095 करोड़ रुपये रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी 25,830 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 32,378 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 74,470 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्र 39,131 करोड़ रुपये सहित) रहा। उपकर 9,417 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्र किए गए 981 करोड़ रुपये सहित) रहा।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि मार्च, 2022 में सकल जीएसटी संग्रह अपने सबसे उच्च स्तर पर है। यह जनवरी, 2022 में एकत्र किए गए 1,40,986 करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह से अधिक है। वहीं, मार्च 2022 का जीएसटी संग्रह इससे पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 15 प्रतिशत अधिक है। जबकि फरवरी 2022 के मुकाबले के मुकाबले जीएसटी संग्रह में 6.81 फीसदी की बढ़ोतरी रही है।

मंत्रालय ने कहा कि उल्टा शुल्क ढांचा (तैयार सामान के मुकाबले कच्चे माल पर अधिक कर) में सुधार के लिए परिषद द्वारा दरों को युक्तिसंगत बनाए जाने से भी जीएसटी संग्रह बढ़ा है। जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी कारोबारी गतिविधियों में सुधार का संकेत भी देता है।

2021-22 में जीएसटी संग्रह की स्थिति